हवाला कारोबारी मोहम्मद असलम वानी ने लगाई जमानत याचिका

नई दिल्ली : कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में गिरफ्तार हवाला कारोबारी मोहम्मद असलम वानी ने पटियाला हाउस कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सिद्धार्थ शर्मा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से बुधवार तक मामले में पक्ष पेश करने का आदेश दिया है। याचिका में वानी ने आरोप लगाया कि ईडी ने उसे गलत तरीके से मुकदमे में फंसाया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार 15 नवंबर 2017

कार्रवाई ▶ लश्कर-ए-तैयबा का था मारा गया आतंकी

कुलगाम मुठभेड़ में बी-टेक पास आतंकी मार गिराया

गोलीबारी में एक जवान शहीद, दो घायल, भाग निकले आतंकियों की तलाश जारी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कुलगाम में मुठभेड़ के बाद श्रीनगर-बारामुल्ला हाईवे के नजदीक तैनात सुरक्षाकर्मी। प्रेट्र

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में मंगलवार को हुई एक भीषण मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक स्थानीय आतंकी को मार गिराया। मारा गया आतंकी मुजमिल अहमद बदरू कुलगाम के यारीपोरा का रहने वाला था। साढ़े तीन साल पहले आतंकी बना मुजमिल बी-टेक पास था। वहीं आतंकियों से लोहा लेते सेना का एक जवान शहीद हो गया व दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

मुठभेड़ के दौरान आतंकी समर्थक भीड़ ने सुरक्षाबलों का ध्यान बंटाने के लिए जमकर पथराव किया। इस दौरान भाग निकले तीन से चार आतंकियों की तलाश में अभियान जारी है। मुठभेड़ पीरपंचाल पर्वत शृंखला के बाईं तरफ काजीगुंड के ऊपर कुंड इलाके में हुई। अधिकारियों ने बताया कि लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन के चार से पांच आतंकी एक बैठक के लिए आए थे। इनमें लश्कर का कमांडर अलताफ काचरू व शकूर डार भी शामिल था। सूचना मिलते ही तड़के सेना की नौ राष्ट्रीय राइफल्स, 10 सिख लाई और राज्य पुलिस के विशेष अभियान दल के जवानों ने कुंड में तलाशी अभियान शुरू किया। जवानों को अपने ठिकाने की तरफ आते देख आतंकियों ने वहां से भागने का प्रयास करते हुए फायरिंग की। जवानों ने भी जवाबी फायर किया। इसी दौरान आसपास के इलाकों से लोग भी नारेबाजी करते हुए मौके पर जमा हो गए। उन्होंने सुरक्षाबलों द्वारा आतंकरोधी अभियान को रोकने के लिए पथराव शुरू कर दिया, लेकिन जवानों ने कार्रवाई जारी रखी। सुबह लगभग साढ़े छह बजे शुरू हुई मुठभेड़ में दोपहर करीब 12 बजे एक आतंकी मारा गया। इस दौरान सेना का एक जवान शहीद और राज्य पुलिस के एक कर्मी समेत दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। वहीं अन्य आतंकी घेराबंदी तोड़ जंगल में घुस गए। देर शाम तक आतंकियों की घेराबंदी जारी थी।

कश्मीरी युवकों पर देश विरोधी नारेबाजी का आरोप

जागरण संवाददाता, कानपुर : पुरी से नई दिल्ली जा रही नंदन कानन एक्सप्रेस में सीट पर बैठने को लेकर शुरू हुए झगड़े ने बड़ा बखेड़ा खड़ा कर दिया। यात्रियों ने ट्रेन में साथ सफर कर रहे दो कश्मीरी युवकों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने विवाद के बाद देश विरोधी नारे लगाए। जीआरपी इस पूरे मामले की जांच कर रही है। आरोपी दोनों कश्मीरी युवकों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

मंगलवार दोपहर 2:40 मिनट बजे नंदन कानन एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर एक पर रुकी। गाड़ी के एस-5 कोच में काफी गहमा गहमी थी। सूचना पर जीआरपी मौके पर पहुंची। यात्रियों ने दो कश्मीरी युवकों को पुलिस के हवाले किया। आरोप लगाया कि इन युवकों का दिल्ली निवासी एक यात्री से सीट पर बैठने को लेकर विवाद हो गया था। इस विवाद में दोनों कश्मीरी युवकों ने ट्रेन में हिंदुस्तान मुर्दाबाद और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसकी वजह से पूरी बोगी में आक्रोश फैल गया।

जीआरपी प्रभारी राम मोहन राय ने बताया कि दोनों युवक कश्मीर के अनंतनाग के रहने वाले हैं। दोनों पुरी में आयोजित हस्तशिल्प मेला में स्टॉल लगाने गए थे। मेला समाप्त होने के बाद दोनों दिल्ली में स्टॉल लगाने जा रहे थे। उनका टिकट वेटिंग में था और सामान रखने को लेकर यात्रियों के साथ उनका विवाद हुआ। दोनों ने देश विरोधी नारे लगाए या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। टीटी से संपर्क किया जा रहा है।

एमबीबीएस पाठ्यक्रम में होगा बदलाव

ऋषि दीक्षित, कानपुर

तैयारी

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय बदलाव लागू करने को एमसीआइ से कर रहा सलाह-मशविरा
- नए पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष में रेडियोलॉजी व सर्जरी की पढ़ाई का प्रस्ताव

चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्र सरकार एमबीबीएस (अंडर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन) पाठ्यक्रम में बदलाव की तैयारी कर रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय इसे लागू कराने के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआइ) से सलाह मशविरा कर रहा है। मंत्रालय ने इस बाबत कुछ सुझाव भी दिए हैं। कोई अड़चन नहीं आई तो नया पाठ्यक्रम अगले सत्र से लागू हो सकता है।

देश में लंबे समय बाद एमबीबीएस पाठ्यक्रम में बदलाव की कवायद शुरू हुई है। अभी तक प्रथम वर्ष में छात्रों को सिर्फ थ्योरी ही पढ़ाई जाती है। नए पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष में पढ़ाई के साथ केस भी कराने का प्रस्ताव है। छात्रों को मरीजों के बीच भेजने का मकसद उन्हें प्रैक्टिकल नॉलेज दिलाना है ताकि उनकी योग्यता में निखार आ सके। एमबीबीएस पाठ्यक्रम में संशोधन पूरा होने की बात पहले ही एमसीआइ की चीफ कंसल्टेंट डॉ. एम. राजलक्ष्मी स्वीकार चुकी हैं।

एमसीआइ ने कॉपीराइट के लिए किया आवेदन : एमसीआइ नए पाठ्यक्रम को वेबसाइट पर अपलोड करने से पहले कॉपीराइट कराएगी। इसके लिए एमसीआइ ने आवेदन कर रखा है। अनुमति मिलते ही पाठ्यक्रम को अपलोड कर दिया जाएगा।

मेडिकल शिक्षक भी होंगे अपडेट : पाठ्यक्रम में बदलाव के साथ-साथ चिकित्सा शिक्षकों को अपडेट करने का भी प्रस्ताव है। इसमें शिक्षकों को अपडेट करने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम कराने का भी प्रस्ताव है।

नए पाठ्यक्रम में पहले साल से ही रेडियोलॉजी और सर्जरी पढ़ाई जाएगी। इससे एमबीबीएस डॉक्टरों में क्लीनिकल इवैल्यूएशन में डायग्नोस्टिक और एनालिटिकल कंपीटेंस की जानकारी विकसित होगी।

-डॉ. मनीष सिंह, विभागाध्यक्ष, न्यूरो सर्जरी, जीएसवीएम मेडिकल कालेज

अंडरग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन में बदलाव की जरूरत है। एमबीबीएस करने वाले छात्र पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) कोर्स करें, यह जरूरी नहीं है। एमबीबीएस के बाद प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों के लिए नया पाठ्यक्रम मददगार साबित होगा।

-डॉ. आरती लालचंदानी, पूर्व विभागाध्यक्ष, मेडिसिन विभाग, जीएसवीएम मेडिकल कालेज

अभी इन विषयों को पढ़ते हैं छात्र

एनॉटमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, पैथालॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, फॉरेंसिक मेडिसिन, कम्युनिटी मेडिसिन, ईएनटी, आप्थाल्मोलॉजी, पीडियाट्रिक, मेडिसिन (त्वचा रोग एवं गुप्त रोग, मनोरोग) सर्जरी (दंत, एनस्थीसिया), आर्थोपेडिक (रेडियोलॉजी)।

पहले भी हुए हैं बदलाव

1997 में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में बदलाव करते हुए प्रथम वर्ष की शैक्षणिक अवधि 18 माह से घटाकर 12 माह की गई थी। इससे काफी फायदा हुआ था।

गैंगस्टर्स के विदेशी कनेक्शन खंगालने में जुटी पंजाब पुलिस

मनोज त्रिपाठी, चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने प्रदेश में सक्रिय गैंगस्टर्स के विदेशी कनेक्शन खंगालने के लिए एक टीम लगा रखा है। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की ओर से पुलिस अफसरों की पीठ थपथपाने से उत्साहित पुलिस ने गैंगस्टर्स और उनके नेटवर्क के खात्मे की फूलप्रूफ प्लान तैयार किया है। इसी कड़ी में गैंगस्टर्स और प्रदेश में धार्मिक नेताओं की हत्या के आरोपियों को विदेशों से फंड उपलब्ध करवाने की जांच नए सिरे से शुरू की गई है।

प्रदेश में बीते दो सालों में सात धार्मिक नेताओं खास तौर पर हिंदू नेताओं की हत्याओं के मामले का पर्दाफाश होने के बाद पंजाब पुलिस के हाथ काफी सुराग लगे हैं। पुलिस की नजरें अब गैंगस्टर्स को फंडिंग करने वालों पर लगी हैं। आरएसएस नेता जगदीश गगनेजा, रविंदर गोसाईं, पास्टर सुल्तान मसीह व दुर्गा दास सहित तीन अन्य हत्याओं के लिए गैंगस्टर्स को विदेशों से फंड उपलब्ध करवाया गया था। गगनेजा की हत्या के आरोपी शूटर हरदीप शेरा को हर वारदात के बाद विदेश से फंड उपलब्ध करवाया जाता था। साथ ही उसे हर महीने अलग से राशि जारी की जाती थी।

पुलिस को रमनदीप, हरदीप शेरा, जिम्मी जट और जगतार सिंह जोहल से पूछताछ में काफी अहम सुराग मिले हैं। कनाड़ा, इटली व जर्मनी सहित अन्य देशों से कट्टरपंथी फंड एकत्र करके पंजाब भेजते थे। इसका पता चलने के बाद पुलिस हेडक्वार्टर ने सभी प्रमुख गैंगस्टर्स और जेलों में बंद बड़े अपराधियों के बैंक अकाउंट की जांच करने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही इनके घरों को या रिश्तेदारों को भी विदेशों से आने वाले धन की भी जानकारी जुटाई जा रही है। इस काम में कुछ हवाला कारोबारियों की मदद भी ली जा रही है।

विदेशी कनेक्शन खत्म करना है : डीजीपी

डीजीपी सुरेश अरोड़ा कहते हैं कि गैंगस्टर्स को कई मामलों में इस्तेमाल करने के लिए विदेशों में बैठे कट्टरपंथियों की ओर से फंड उपलब्ध करवाया जा रहा है। आइएसआइ जैसी संस्थाएं भी इसका लाभ ले रही हैं। उनके साथ कई कट्टरपंथी भी इस रैकेट से जुड़ गए हैं। ये सभी मिलकर पंजाब में अशांति फैलाने के लिए गैंगस्टर्स का सहारा लेते हैं। पुलिस इस पूरे रैकेट को खत्म करके रहेगी।

उम्मीद दिखने पर मंदिर निर्माण में मध्यस्थता को बढ़ाया कदम : श्रीश्री

जागरण संवाददाता, वृंदावन : आध्यात्मिक संत श्री श्री रविशंकर ने राममंदिर निर्माण में मध्यस्थता के सवाल पर कहा कि कहीं कोई उम्मीद दिखाई दे रही है, तभी वे इस काम को आगे बढ़ाने की शुरुआत कर रहे हैं। श्रीश्री मंगलवार को परिक्रमा मार्ग स्थित लता आश्रम में आयोजित एक निजी समारोह में शामिल होने यहां पहुंचे थे। पत्रकारों से रूबरू श्रीश्री ने राममंदिर निर्माण के लिए मध्यस्थता के एलान का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए गए स्वागत पर खुशी जताते हुए कहा कि वह उनसे मुलाकात करने जा रहे हैं।

विपक्षी दलों द्वारा राममंदिर को लेकर किए जा रहे उनके प्रयासों पर उठ रहे सवालों पर कहा कि आज तक जहां भी हम गए, वहां स्थिति बिगड़ी नहीं है। वार्ता से राममंदिर निर्माण की संभावना पर कहा कि अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। लेकिन कुछ उम्मीद है, तभी आगे बढ़ रहे हैं। अयोध्या में दोनों पक्षों से वार्ता होगी। यहां से श्रीश्री मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के लिए रवाना होंगे।

कश्मीर को फिर जन्नत बना मेरे मौला

श्रीनगर में मंगलवार को हजरत सुलतान-उल-अरिफीन, शेख हमजा मखदूम के वार्षिक उर्स पर कश्मीर में अमन की दुआ करतीं कश्मीरी महिलाएं। इन महिलाओं के चेहरे पर कश्मीर के मौजूदा हालात का दर्द साफ नजर आया। कामरान रशीद भट

लापता महंत मोहनदास के कनाडा में होने की चर्चा

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: पुलिस के लिए अबूझ पहेली बन चुके बड़ा अखाड़ा के कोठारी महंत मोहनदास को लेकर तरह-तरह की चर्चा का दौर अभी जारी है। अब महंत मोहनदास के कनाडा में होने की चर्चा ने अचानक ही संत जगत में हलचल पैदा कर दी। हालांकि पुलिस ऐसी किसी जानकारी से इन्कार किया है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत मोहनदास 15 सितंबर को इलाज के लिए मुंबई रवाना हुए थे। ट्रेन में यात्रा के दौरान महंत रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गए थे। दो महीने में पुलिस, सीआइयू, एसटीएफ, एसआइटी की टीमें महंत मोहनदास को उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़, महाराष्ट्र तक में खोज चुकी हैं। महंत के विदेश जाने की आशंका पर पुलिस टीम नेपाल जाकर भी ढूंढ चुकी है। महंत के करीबी लोगों से भी कई दौर की पूछताछ की जा चुकी है। लेकिन महंत को नहीं ढूंढा जा सका। मंगलवार को अचानक ही एक चर्चा ने संतों में हलचल पैदा कर दी। कनखल में इस बात की चर्चा रही कि महंत कनाडा में हैं और वह पंजाब होते हुए कनाडा गए हैं। जगजीतपुर की एक महिला भी चर्चाओं का हिस्सा रही। महिला का अमेरिका में पहले से कनेक्शन रहा है। हालांकि पुलिस इन चर्चाओं की पुष्टि नहीं कर रही है, पर कुछ दिन पहले अधिकारी खुद महंत के विदेश जाने की आशंकाओं पर फोकस कर चुके हैं।

दुर्लभ पांडुलिपियों में दिखेगी गीता की महत्ता

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में आने वाले पर्यटक दुर्लभ पांडुलिपियों के जरिये श्रीमद्भागवत गीता की महत्ता को जान सकेंगे। महोत्सव में उत्तर प्रदेश के नृत्य, ललित कला और अभिलेखागार विभाग की ओर से भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी झांकी एवं पांडुलिपि प्रस्तुति की जाएंगी। अभिलेखागार विभाग के पास 200 से 900 वर्ष पुरानी पांडुलिपि है। वहीं यूपी नाइट में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के भी पहुंचने की संभावना है।

उपायुक्त सुमेधा कटारिया और उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के उपनिदेशक अमित ने कहा कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वीडियो के जरिए भी आदान-प्रदान किया जाएगा। यूपी के सभी धार्मिक स्थलों पर प्रचार-प्रसार के लिए होर्डिंग्स लगाएं जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का विधिवत आगाज 25 नवंबर से होगा।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में अंतरराष्ट्रीय गीता संगोष्ठी का उद्घाटन 25 नवंबर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद करेंगे। इस संगोष्ठी मे जापान, मॉरीशस, इंडोनिशेया, रूस सहित आठ देशो के प्रतिनिधि भाग लेंगे। वहीं महोत्सव में सायंकालीन आरती में आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत शोभा बढ़ाएंगे।

तीनों सेनाओं के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का खाका तैयार

नई दिल्ली, प्रेट्र: चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी व नौसेना के प्रमुख सुनील लांबा ने तीनों सेनाओं के संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रपत्र को जारी कर दिया है। इससे तीनों सेनाओं के बीच बेहतरीन समन्वय स्थापित होगा तो एक दूसरे की चुनौतियों के प्रति समझ भी विकसित होगी। इसे तैयार करने के 90 के दशक में हुए खाड़ी युद्ध से सबक लिया गया। इसमें तीनों सेनाओं ने एकीकृत कार्रवाई करके जंग जीती थी।

सूत्रों का कहना है कि ज्वाइंट ट्रेनिंग डाक्ट्राइन इंडियन आर्म्ड फोर्सेज 2017 को तैयार करते समय तीनों सैन्य मुख्यालयों को शामिल किया गया। यह उस कार्यक्रम की अगली कड़ी है, जिसे अप्रैल 2017 में जारी किया गया था। तब इसका नाम ज्वाइंट डाक्ट्राइन इंडियन आर्म्ड फोर्सेज 2017 था। इससे न केवल सेनाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी बल्कि आने वाले समय में उनकी दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी। जरूरी संसाधनों का बेहतरीन इस्तेमाल कैसे किया जाए इसमें यह कोशिश कारगर साबित होने वाली है। मौजूदा समय को देखते हुए यह बेहद जरूरी कवायद है। सारे विश्व में इस पर काम किया जा रहा है। रूस के साथ चले प्रशिक्षण कार्यक्रम इंदिरा में भी कुछ इसी तरह की कवायद थी। जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण की रणनीति में परिवर्तन भी किए जाएंगे। मौजूदा समय में हो रहे युद्धों को देखा जाए तो यह रणनीति बेहद जरूरी है।

आइसीएमएम में युद्ध में महिलाओं की भागीदारी पर होगी चर्चा: नई दिल्ली में 19 से 24 नवंबर तक होने जा रही आइसीएमएम (इंटरनेशनल कमेटी आन मिलिट्री मेडिसिन) में इस बात पर प्रमुख तौर पर चर्चा की जाएगी कि महिलाओं को युद्ध में शामिल किया जाए तो चिकित्सकीय तौर पर क्या-क्या चुनौतियां सामने आएंगी और उनसे निपटने के उपाय क्या होंगे। 80 राष्ट्रों के लगभग 350 चिकित्सक इसमें भागीदारी करेंगे। 26 सत्रों तक चलने वाली चर्चा में कई अन्य अहम विषयों को पर भी चर्चा होनी है। एयर कमॉडोर राजेश वैद्य का कहना है कि वायु सेना में हाल ही में तीन महिला लड़ाकू पायलट शामिल की गई हैं, लेकिन हमारे पास इस बात का कोई अनुभव नहीं है कि युद्ध में उन्हें शामिल किया जाए तो क्या विशेष परिवर्तन किए जाने चाहिए। उनका कहना है कि कांफ्रेंस में इस पर चर्चा की जाएगी। ले. जनरल बिपिन पुरी का कहना है कि इस दौरान जैविक, रासायनिक व परमाणु हथियारों के प्रभाव पर भी मंथन होगा।

कोलकाता फिल्म फेस्टिवल के लिए चुनी गई 'द होली फिश'

जेएनएन, नई दिल्ली : नवोदित फिल्म निर्देशक और लेखक विमल चंद्र पांडे और संदीप मिश्रा की फिल्म 'द होली फिश' का चयन 23वें कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए किया गया है। दुनिया भर की बेहतरीन फिल्मों के साथ इसका भी प्रदर्शन किया जाएगा। सामाजिक सरोकार पर आधारित इस फिल्म का निर्माण क्राउड फंडिंग के जरिये किया गया है।

विमल साहित्यिक दुनिया से भी जुड़े रहे हैं। वह बतौर कहानीकार भारतीय ज्ञानपीठ नवलेखन पुरस्कार भी पा चुके हैं। फिल्म की कहानी एक रिटायर्ड शिक्षक परशुराम के इर्दगिर्द घूमती है। वह भयानक हादसे का शिकार होने के कारण अंदर से बदल जाता है। हंबल बुल क्रियेशन के बैनर तले बनी इस फिल्म में सैयद इकबाल अहमद, सुमन पटेल, अश्विनी अग्रवाल जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है। कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के अलावा 'द होली फिश' का चयन कई अन्य प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों के लिए किया जा चुका है। विमल ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पत्रकारिता की पढ़ाई की है। बाद में पत्रकारिता छोड़ कर फिल्मों से जुड़ गए।

गंभीर प्रदूषण की चपेट में देश के और भी कई हिस्से : जयराम

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

- प्रदूषण और स्वास्थ्य पर आई लैनसेट कमीशन की रिपोर्ट पर हुई चर्चा
- तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली में शुरू, कई देश ले रहे हिस्सा

पर्यावरण प्रदूषण से भारत में होने वाली असामयिक मौतें और जानलेवा बीमारियां बहुत ज्यादा हो गई हैं। पिछले कुछ सालों के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण को लेकर हुए अध्ययन की रिपोर्ट तो यही कहानी कह रही हैं। इन नाजुक हालात पर गंभीर चिंता जताते हुए सांसद व पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि पर्यावरण की समस्या मात्र राजधानी दिल्ली के वायु प्रदूषण तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न तरह के प्रदूषण की चपेट में देश के सुदूर क्षेत्र भी आ गए हैं। पीने के पानी में घुल रहे घातक रसायनों से लोग तिल तिलकर मर रहे हैं।

जयराम मंगलवार को यहां शुरु हुए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पहले दिन बोल रहे थे। सम्मेलन में प्रदूषण को लेकर स्वास्थ्य पर पड़ने प्रभाव पर विचार विमर्श किया जाएगा। इसमें देश और दुनियाभर के जाने माने पर्यावरणविद और स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन के पहले दिन लैनसेट आयोग की रिपोर्ट पर चर्चा की गई। प्रदूषण व स्वास्थ्य विषय पर आई रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में प्रदूषण की वजह से दुनियाभर में 90 लाख लोगों की असामयिक मौत हुई। इसमें अकेले भारत में मरने वालों की संख्या 25 लाख से अधिक है। लैनसेट आयोग की रिपोर्ट के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआइ) के सेंटर फॉर एन्वायरमेंट हेल्थ ने किया है। सेंटर के तकनीकी प्रबंधक भार्गव कृष्णा ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रदूषण का स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के विभिन्न पक्षों पर रिपोर्ट पेश की जाएंगी। भारत के परिपेक्ष्य में देश के विभिन्न इंडस्ट्रियल टाउन के आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य की अध्ययन रिपोर्ट भी रखी जाएगी।

इसमें पर्यावरण, स्वास्थ्य और नीति नियामक हिस्सा ले रहे हैं। मृतकों के ये आंकड़े एड्स, मलेरिया और टीबी जैसी बीमारियों से होने वाली मौत के मुकाबले तीन गुना अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में होने वाली प्रत्येक छह मौतों से एक व्यक्ति की मौत प्रदूषण से होती है। इनमें भी सबसे ज्यादा मौतें विकासशील देशों में होती हैं। आइआइटी दिल्ली के प्रोफेसर मुकेश खरे ने रिपोर्ट और उसकी सिफारिशों को विस्तार से रखा। उनका कहना है कि प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के चलते विश्व का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का छह फीसद तक का नुकसान होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के प्रोफेसर किर्क आर. स्मिथ ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण भारत की बड़ी आबादी पर ज्यादा प्रभाव डालता है। उनका कहना था कि यहां की बड़ी आबादी में गरीबी और कुपोषण के साथ इलाज की बेहतर सुविधा नहीं होने से हालात मुश्किल हो गए हैं।

राशन घोटाला

सत्यापन के बावजूद फर्जीवाड़ा जारी, कागजों में सौ फीसद वितरण, हो रही कालाबाजारी, उत्तर प्रदेश के कन्नौज में सरकारी चावल से भरे ट्रक को पकड़े जाने के बाद मिली जानकारी

फूलप्रूफ तकनीक भी घोटालेबाजों के आगे फेल

अमित मिश्र, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में एक राइस मिल में पिछले दिनों सरकारी चावल से भरा ट्रक पकड़ा गया। लेकिन बावजूद इसके आज तक यह पता नहीं चल सका कि राशन के तीन रुपये वाले चावल को 30 रुपये में बेचने का धंधा कौन कर रहा है। उधर, पात्रों का सत्यापन किया जा चुका है। कागजों में सौ फीसद खाद्यान्न वितरित करने का रिकॉर्ड दर्ज है। फिर भी कालाबाजारी हो रही है। ट्रक पकड़े जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में ही नहीं देश में राशन वितरण प्रणाली का यही हाल है।

अधूरा सत्यापन: वर्तमान में लगभग सभी राशन उपभोक्ताओं की पात्रता वोटर आइडी कार्ड या पहचान के अन्य मान्य प्रमाण पत्रों के जरिये सत्यापित की जा चुकी है। बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं का आधार नंबर भी विभाग के पास पहुंच गया है। फिर भी कम से कम 30 फीसद उपभोक्ताओं की सत्यता को लेकर विभाग आशंकित है।

तकनीक का इस्तेमाल: यहां के खाद्य आयुक्त आलोक कुमार बताते हैं कि नगरीय क्षेत्रों में ई-पोस (इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल) से अंगूठे

की छाप लेकर ही खाद्यान्न दिया जा रहा है, इसलिए शहरों के 60 फीसद वितरण की शुचिता को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन 30 फीसद वितरण अब भी अंगूठे का निशान मिलाए बिना किया जा रहा है या प्रॉक्सी (परिवार के मुखिया के अलावा कोई अन्य सदस्य) को दिया जा रहा है। इसी में गड़बड़ी का संदेह है।

आधार की नहीं हुई सीडिंग : खाद्य रसद विभाग ने उपभोक्ताओं से आधार संख्या लेकर एनआइसी से तैयार अपने सॉफ्टवेयर में तो फीड कर ली लेकिन आधार की वेबसाइट से इसे लिंक कर सीडिंग का काम शुरू नहीं हुआ है। इसका नुकसान है कि एक ही आधार संख्या के जरिये कई राशन दुकानों से खाद्यान्न प्राप्त किया जा सकता है लेकिन, आपूर्ति विभाग को इसका पता नहीं चलेगा।

बारदाना और घटतौली भी वजह : ऑल इंडिया फेयर प्राइज शॉप डीलर्स फेडरेशन की प्रदेश इकाई के संयोजक अशोक कुमार मेहरोत्रा बताते हैं कि गोदामों में घटतौली से और बारदाने को भी खाद्यान्न के साथ तौलने से भारी मात्रा में बचने वाला खाद्यान्न कालाबाजारी की भेंट चढ़ रहा है, जबकि इस खाद्यान्न के उपभोक्ता राशन दुकानों से खाली हाथ वापस लौट रहे हैं। मेहरोत्रा बताते हैं कि प्रत्येक 100 क्विंटल खाद्यान्न में एक क्विंटल बारदाना और दो क्विंटल घटतौली का औसत है।

अगले साल से रुकेगी कालाबाजारी: खाद्य आयुक्त आलोक कुमार कहते हैं कि 30 लाख से अधिक फर्जी राशन कार्ड निरस्त किए जाने के बाद भी इनकी आशंका पूरी तरह खत्म नहीं हुई है लेकिन शहरों की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी ई-पोस मशीन लगने के बाद फर्जी कार्ड और कालाबाजारी पर काफी हद तक अंकुश लग सकेगा। आयुक्त ने बताया कि अगले महीने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ई-पोस मशीनों का टेंडर हो जाएगा और अगले साल की शुरुआत से ये मशीनें लगनी शुरू हो जाएंगी।

एक्सप्रेस वे प्राधिकरण व पतंजलि ने पेड़ काटने से किया इन्कार

जासं, इलाहाबाद: नोएडा में पतंजलि आयुर्वेद, पतंजलि फूड और हर्बल पार्क को आवंटित जमीन से हजारों पेड़ कटने के मामले में एक नया मोड़ आ गया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में कंपनी और यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने हलफनामा दाखिल कर बताया है कि सेक्टर 24 और 24ए में कंपनी को 113.20 एकड़ भूमि आवंटित की गई है उसमें याची की जमीन शामिल नहीं है। याची की जमीन पर लगे छह हजार पेड़ कटने के बाबत कंपनी और प्राधिकरण ने कोई जानकारी नहीं दी। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की तरफ से कहा गया है कि याची ने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दिया जिससे स्पष्ट हो कि विपक्षी कंपनी ने पेड़ काटे हैं। इस पर कोर्ट ने याची को प्राधिकरण व कंपनी के जवाबी हलफनामे का जवाब दाखिल करने का समय दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति तरुण अग्रवाल व न्यायमूर्ति अजय भनोट की खंडपीठ ने औसाफ की याचिका पर दिया है।

तख्त साहिब के जत्थेदार कोर्ट के अधीन नहीं : बड़ूंगर

जागरण संवाददाता, श्री आनंदपुर साहिब

- कहा, जत्थेदारों का निर्णय पूरी सिख कौम के लिए मान्य

श्री आनंदपुर साहिब के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में पहुंचे शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अध्यक्ष प्रोफेसर किरपाल सिंह बड़ूंगर ने कहा कि सिख कौम के पांचों तख्त साहिब के जत्थेदार विश्व की किसी भी सांसारिक अदालत के अधीन नहीं हैं। यह बात उन्होंने जस्टिस रणजीत सिंह कमीशन की तरफ से समन भेजने के मौके भी स्पष्ट कर दी थी। इसलिए जत्थेदार साहिब द्वारा राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर लिया गया कोई भी निर्णय सारी सिख कौम के लिए मान्य है। जहां तक लेखक दिलगीर मामले में अदालती कार्रवाई का सवाल है तो इस संबंध में नोटिस मिलने पर ही कुछ कहा जा सकता है।

प्रो. बड़ूंगर ने कहा कि 5 नवंबर 2016 को 55 लाख मतदाताओं द्वारा चयनित किए गए 185 एसजीपीसी सदस्यों ने प्रधान सहित शेष अंतरिम कमेटी का चयन किया था। उसके बाद वह सिख कौम के हितों व प्रसार के लिए धर्म प्रचार लहर के अंतर्गत अब तक 96 बड़े धार्मिक समागम करवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह केवल अपना फर्ज निभा रहे हैं, इसलिए भविष्य में किसे प्रधान बनना है, किसे बनाना है या अंतरिम कमेटी में किसे लिया जाएगा, यह निर्णय 29 नवंबर को होने वाले इजलास के दौरान 185 सदस्यों द्वारा ही लिया जाएगा।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को लेकर जत्थेदारों की तरफ से एसजीपीसी की सिफारिशों के विपरीत लिए गए निर्णय के कारण पैदा हुई कड़वाहट पर बड़ूंगर ने कहा कि ऐसी कोई भी बात नहीं है। उन्होंने जत्थेदार साहिब की अदालत में अपना प्रस्ताव पेश किया था, जिसे मानना या न मानना उनके हाथ है। उस कारण जो निर्णय जत्थेदारों द्वारा लिया गया है, वह उन्हें स्वीकार है। 25 दिसंबर को ही सारी संगत श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व मनाएगी।